Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 01-12-2005

Participants : Azmi Shri Iliyas

>

Title : Need to review the standard of qualification fixed for teaching in self-financed Degree Colleges in Uttar Pradesh.

श्री इलियास आज़मी (शाहाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा की व्यवस्था चरमरा गई है। कारण यह है कि सेल्फ फाइनेन्स डिग्री कॉलेजों में शिक्षकों की योग्यता का जो मापदंड रखा है, वह अव्यवहारिक है। जैसे बी.एड.. में पढ़ाने के लिए टीचर का नेट या पीएचडी के साथ एमएड होना आवश्यक है। इस योग्यता के टीचरों की संख्या कुल जरूरत का 10 प्रतिशत भी पूरे देश में नहीं है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुसार लैक्चरार बनने के लिए एम.फिल. 1992 तथा पीएचडी 2002 से पहले का होना चाहिए।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि टीचरों की योग्यता के मापदंड पर पुनः विचार किया जाए और ग्रेजुएट क्लासों तथा बी.एड. क्लासों में पढ़ाने के लिए पूर्व की भांति एम.ए. तथा एम.एड. की योग्यता काफी समझी जाए तथा समान डिग्री को समान महत्व दिया जाए चाहे डिग्री वा कोई भी cÉä[R24]।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Shriniwas Dadasaheb Patil – not present.